जाएं। किसी हालत में यह कारखाना बम्बई में नहीं होना चाहिए। इन शब्दों के साथ मैं हमारे मित्र श्री पुगलिया जी ने जो मसला उठाया है उससे पूरी तरह से सहमत हूं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI) : I think that both of you should also bring it to the notice of the Chief Minister of Maharashtra.

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव: हम जरूर मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहेंगे कि वे इस बारे में कदम उठाये।

श्रीमती सुधा विजय जोशी (महाराष्ट्र) : :उपसभाध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय सदस्य श्री पुगलिया जी ने जो प्रश्न उठाया है यह बहुत ही महत्वपूर्ण है और खास करके आपके लिए और हमारे लिए और महाराष्ट्र के लोगों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि आप भी बम्बई से आते है और मैं भी बम्बई से आती हूं। आप जानते हैं कि बम्बई बहुत ही घनी आबादी का शहर है। ऐसे शहर में अगर इतना खतरनाक कारखाना बनेगा तो इससे बहुत ही बड़ी आपत्ति आ सकती है। इसलिए इतने बड़े शहर में यह कारखाना न हो क्योंकि पहले ही बम्बई के ऊपर बहुत सी आपदायें हैं। आप जानते है कि बम्बई महाराष्ट्र की और हमारे देश की शान है। इसलिए अगर इस शहर में यह कारखाना लगाया जाएगा तो बम्बई पर बहुत बड़ी विपत्ति आ जाएगी। मैं चाहूंगी कि इस कारखाने को बहुत ही रिमोट एरिया में लगाया जाए जहां पर आबादी न हो और जहां पर इस प्रकार की विपत्ति आने का डर न हो। बम्बई शहर में ऐसा कारखाना नहीं होना चाहिए और घनी आबादी के किसी भी शहर में नहीं होना चाहिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Many Members want to associate with this. I think the whole House wants to associate with this. We will take it like that.

Remunerative Prices for Sugarcane Growers

श्री शान्ति त्यागी (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे विशेष उल्लेख की अनुमति दी, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मेरा यह स्पेशल मेंशन अक्तूबर में शुरू होने वाले गन्ना सीजन के बारे में है और मेरे स्पेशल मेंशन की मंशा यह है कि आने वाले सीजन में गन्ने का जो मूल्य है वह कम से कम 32 रु. फी क्विंटल किया जाए। पिछले वर्ष सूखे के कारण हमारे किसानों की आर्थिक दशा खोखली हो गई। लेकिन गन्ना पैदा करने वाले किसानों ने इस सूखे का हिम्मत के साथ मुकाबला किया। हमारी सरकार ने भी हर मौके पर प्रधानमंत्री के निर्देश पर किसानों की सहायता की और जो भी सहायता संभव थी, वह मदद किसानों की है इसके लिए हम सरकार के बहुत आभारी हैं। सूखे के बावजूद किसानों ने गन्ने की भारी पैदावार की है और गन्ने के उत्पादन में गिरावट नहीं आई है।देश के गन्ना बोने वाले किसानों को इस सदन को मुबारकबाद देनी चाहिये, बधाई देनी चाहिये। मान्यवर, अब अक्तूबर 88 से, एक महीने के बाद गन्ने

[श्री शांति त्यागी]

की पिराई शुरू हो जायेगी। गन्ने का उत्पादन लागत बढ़ गया है। मान्यवर, आप भी ऐसे प्रदेश से आते हैं जहां गन्ना बड़ी मात्रा में पैदा होता है। मान्यवर, खेतों में काम करने वाले कृषि मजदूरों की मजदूरी बढ़ गई है। मैं एक मिसाल यहां पर देना चाहता हूं। जब गन्ना खेत में बड़ा हो जाता है तो उसको बांधा जाता है। बहुत से भाई नहीं जानते हैं कि वह गिरे नहीं इसलिये उनके पेड़ों को मिलाकर बांधते हैं। तो एक कच्चा बीघा के गन्ने को बांधने के लिये अगर किसी मजदूर को रखें तो वह 30 रुपये गन्ना बांधने का चार्ज करता है। जब कि कुछ दिन पहले यह मजदूरी सिर्फ 5 रुपये थी। इसमें 25 रुपये का इजाफा हो गया है। इसलिये उपसभाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरी मांग है कि किसानों की आर्थिक दृष्टि को ध्यान में रखते हुए गन्ना पैदा करने वाले किसानों को कम से कम 32 रुपया प्रति क्विंटल गन्ने की कीमत की घोषणा इस सदन में करें।

अंत में मैं गन्ने की दरों में तबदीली के साथ साथ सरकार से यह भी आग्रह करूंगा कि चीनी मिलों को लगाने के संबंध में केंद्रीय सरकार की जो नीति है वह बहुत सख्त है। उसको थोड़ा उदार करें और जहां चीनी मिल खोलने की जरूरत है, जहां पर इसके लिये किसानों की मांग है और जहां गन्ना उपलब्ध है वहां चीनी मिलों को खोलने के लिये सरकार लाइसेंस दे। यह मांग भी मेरी आपके माध्यम से सरकार से है।

अंत में मैं पुनः कहना चाहूंगा कि कम से कम 32 रुपये गन्ने का मूल्य निश्चित किया जाए और चीनी मिलों के खोलने के बारे में उदार नीति सरकार बनाये यह मेरा आग्रह है। मैं आशा करता हूं, उपसभाध्यक्ष महोदय, कि इस वक्त जो माननीय सदस्य यहां पर बैठे है, इस सदन में बैठे हैं, जहां तक मैं समझता हूं सब किसान हैं और कोई भी गैर किसान मेंबर यहां पर नहीं है। इसलिये वे एक राय से इस सदन के माध्यम से यह मांग करें कि गन्ने का मूल्य कम से कम 32 रुपया प्रति क्विंटल किया जाए और चीनी मिलों को खोलने के बारे मे सरकार अपनी नीति को उदार बनाये।

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : (महाराष्ट्र) : मै शान्ति त्यागी का समर्थन करता हूं।

श्री राम चन्द्र विकल (उत्तर प्रदेश) मैं मांग करता हूं कि

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): After this, there are two more special mentions, and after that is over, Shri Bhajan Lal will make a statement.

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव (महाराष्ट्र): इसका हम समर्थन करना चाहेंगे। यह गन्ने का मसला है और इस संबंध में त्यागी जी ने जो कहा है हम उससे बिल्कुल सहमत हैं ताकि किसानों का एक्सप्लाइटेशन न हो। हम सब इसका समर्थन करते हैं।

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : हो गया है पूरे सदन का समर्थन।

Need for Financial Assistance to Gujarat

श्री छोटूभाई सुखाभाई पटेल (गुजरात) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम